बाबा आया देने कुबेर का खजाना

रात-दिन मन में बस बाबा- बाबा चलता रहे

जो बच्चे करते पुरुषार्थ अवगुणों को निकलने का

दूसरों के भी नही देखते अवगुण

वो ही ऑनेस्ट फूल बनते

माया के भी वश वो नही होते

करो न कभी किसी से इर्ष्या

हिंसा भी कभी नही करनी

पढ़ाई पढ़ उंच पद है पान

शरीर सहित करना सन्यास

सेवा के लिये करो खुद को ऑफर

निस्वार्थ हो विचार दो

क्यों क्या मैं नही आना

क्रोध से है मुक्त होना

शांति दूत बन शांति फैलाना ही

है ऑक्यूपेशन तुम्हारा

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!